# 15 दिवसीय प्रशिक्षण से खुलेगा उर्वरक लाईसैंस का रास्ता
# वैज्ञानिक खेती की और बढ़ेंगें किसान

देशभर में चल रहे समन्वित उर्वरक प्रबन्धन अभियान के बीच कृषि को लाभकारी एवं टिकाउ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुये कृषि विज्ञान केन्द्र, संगरिया में ‘‘समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन’’ विषय पर 15 दिवसीय प्रमाण पत्र पाठयक्रम का शुभारम्भ किया गया। प्रशिक्षण विशेष रुप से खुदरा उर्वरक लाईसेंस प्राप्त करने के इच्छुक युवाओं के लिये आयोजित किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डाॅ. सुरेन्द्र सहारण, प्राचार्य ग्रामोत्थान विद्यापीठ शिक्षा महाविद्यालय, संगरिया ने कहा कि वर्तमान राष्ट्रीय अभियान का उद्देश्य किसानों को संतुलित एवं वैज्ञानिक उर्वरक उपयोग के प्रति जागरुक करना है, उन्हांनें कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण इस अभियान को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंनें प्रशिक्षणार्थियों से प्रशिक्षण का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया।
कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये डाॅ. अनूप कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र, संगरिया ने बताया कि यह पाठयक्रम न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक है बल्कि युवाओं को उर्वरक लाइसेंस प्राप्त करने हेतु आवश्यक तकनीकी ज्ञान भी प्रदान करेगा। उन्होंनें कहा कि परीक्षण आधारित उर्वरक प्रबन्धन से लागत में कमी और उत्पादन वृद्धि सम्भव है। जिससे किसानों की आय बढ़ाई जा सकती है। उन्होनें इसे राष्ट्रीय स्तर पर चल रहे अभियान से जोड़ते हुये दूसरी प्रासंगिकता पर जोर दिया।

पाठयक्रम समन्वयक डाॅ. चन्द्रशेखर शर्मा विषय विशेषज्ञ (शस्य विज्ञान) ने प्रशिक्षण की रुपरेखा प्रस्तुत करते हुये बताया कि 15 दिन के दौरान प्रतिभागियों को मृदा स्वास्थ्य, संतुलित उर्वरक प्रयोग, जैविक एवं रासायनिक उर्वरकों के समन्वय, फसल विशेष तत्व प्रबन्धन, सूक्ष्म पोषक तत्वों का महत्व व भूमिका तथा नवीनतम कृषि तकनीकों की जानकारी दी जायेगी। इसके साथ ही व्यवहारिक सत्र, प्रक्षेत्र भ्रमण एवं प्रदर्शनों के माध्यम से सूचना संचार तकनीकी का प्रयोग करते हुये व्यावहारिक ज्ञान भी प्रदान किया जायेगा। उद्घाटन समारोह में डाॅ. मुकेश कुमार, विषय विशेषज्ञ (पशुपालन) ने कृषि एवं पशुपालन के एकीकृत दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। रघुवीर सिंह नैण, कार्यक्रम सहायक (प्रशिक्षण) ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालन व व्यवस्थाओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में डाॅ. कुलदीप सिंह, विषय विशेषज्ञ (प्रसार शिक्षा) द्वारा प्रतिभागियों का प्रशिक्षण पूर्व मूल्यांकन किया गया, जिससे उनमें ज्ञान स्तर का आकलन कर प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

इस प्रशिक्षण के क्षेत्र के युवा बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। यह पाठयक्रम न केवल इन्हें उर्वरक लाईसेंस प्राप्त करने से सहायक होगा, बल्कि उन्हें स्वरोजगार व कृषि उद्यमिता के नये अवसर प्रदान करेगा।

समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन पर
15 दिवसीय सर्टीफिकेट कोर्स
कृषि विज्ञान केन्द्र, हनुमानगढ़-I

समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन पर
15 दिवसीय सर्टीफिकेट कोर्स
कृषि विज्ञान केन्द्र, हनुमानगढ़-I

पधारो सा

पधारो सा